अनुक्रमांक .....
नाम : .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08

901

2026
हिन्दी

801 (FC)

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट

पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

iii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित हैं।

iv) इस प्रश्नपत्र के खण्ड 'अ' में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें दिए गए चार विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करके ओ.एम.आर. उत्तरपत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्पवाले गोले को अच्छी तरह रंगकर देना है।

v) खण्ड 'अ' के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंकन की व्यवस्था नहीं है। अत: सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए।

vi) ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर देने के पश्चात संबंधित गोले को काटे नहीं तथा इरेजर एवं व्हाइटनर का प्रयोग न करें।

vii) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं।

viii) खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गये हैं। इसके लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं।

xi) खण्ड 'ब' के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए। जो प्रश्न नहीं आता हो, उस पर समय नष्ट मत कीजिए।

x) वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देते समय सुन्दर, स्पष्ट एवं पठनीय लेखन पर विशेष ध्यान दीजिए।

UPBoardHub

खण्ड – 'अ'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. **'ध्रुवस्वामिनी' नाटक है :** (1)
   (A) हरिकृष्ण प्रेमी का
   (B) जयशंकर प्रसाद का
   (C) लक्ष्मीनारायण मिश्र का
   (D) रामकुमार वर्मा का

2. **प्रेमचंद का उपन्यास नहीं है :** (1)
   (A) सेवासदन
   (B) त्यागपत्र
   (C) गोदान
   (D) गबन

3. **आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबन्ध संग्रह है :** (1)
   (A) चिंतामणि
   (B) अशोक के फूल
   (C) साहित्य देवता
   (D) भारतीय संस्कृति

4. **हरिवंशराय 'बच्चन' की रचना है :** (1)
   (A) क्या भूलूँ क्या याद करूँ
   (B) तरुण के स्वप्न
   (C) अपनी खबर
   (D) साठ वर्ष: एक रेखांकन

5. **'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के लेखक हैं –** (1)
   (A) चतुरसेन शास्त्री
   (B) वृंदावनलाल वर्मा
   (C) यशपाल
   (D) रांगेय राघव

UPBoardHub

6. **'पद्माभरण' रचना है :** (1)
(A) केशव की
(B) भूषण की
(C) बिहारीलाल की
(D) पद्माकर की

7. **रीतिकाल की प्रवृत्ति नहीं है –** (1)
(A) विद्रोह एवं क्रांति की भावना
(B) काव्यांग विवेचन
(C) शृंगार रस की प्रधानता
(D) ब्रजभाषा की प्रधानता

8. **'प्रियप्रवास' रचना है :** (1)
(A) मैथिलीशरण गुप्त की
(B) रामनरेश त्रिपाठी की
(C) जयशंकर प्रसाद की
(D) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की

9. **प्रगतिवादी युग के कवि नहीं हैं –** (1)
(A) केदारनाथ अग्रवाल
(B) नागार्जुन
(C) त्रिलोचन
(D) मैथिलीशरण गुप्त

10. **'यामा' काव्यसंग्रह है :** (1)
(A) जयशंकर प्रसाद का
(B) महादेवी वर्मा का
(C) रामधारीसिंह 'दिनकर' का
(D) रामनरेश त्रिपाठी का

11. **'शोक' स्थायीभाव है :** (1)
(A) शांत रस का
(B) अद्भुत रस का
(C) करुण रस का
(D) शृंगार रस का

UPBoardHub

12. 'सोहत ओढ़ै पीतु पटु, स्याम सलौनै गात।
मनौ नीलमनि सैल पर, आतपु पर्यो प्रभात॥'
उपर्युक्त पंक्तियों में कौनसा अलंकार है ? (1)
(A) उत्प्रेक्षा
(B) उपमा
(C) अपहुति
(D) यमक

13. "यह एक सम मात्रिक छंद है। इसमें चार चरण होते हैं और प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं। 11 और 13 मात्राओं पर यति होती है।" यह लक्षण किस छंद का है ? (1)
(A) दोहा
(B) सोरठा
(C) बरवै
(D) रोला

14. 'अनु' उपसर्ग प्रयुक्त नहीं है : (1)
(A) अनुशासन में
(B) अनुपयोग में
(C) अनुकूल में
(D) अनुवाद में

15. 'त्रिभुवन' में समास है : (1)
(A) द्विगु
(B) द्वंद्व
(C) कर्मधारय
(D) अव्ययीभाव

16. 'सुरसरि', 'देवपगा' किसके पर्यायवाची शब्द हैं ? (1)
(A) यमुना
(B) बेतवा
(C) गंगा
(D) सरस्वती

UPBoardHub

17. 'युष्मद्' सर्वनाम शब्द का तृतीया विभक्ति, एकवचन में रूप होगा : (1)
(A) त्वम्
(B) त्वया
(C) तव
(D) युषाम्

18. रचना के आधार पर वाक्य का प्रकार नहीं है : (1)
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) प्रश्नवाचक वाक्य
(D) मिश्रित वाक्य

19. "मोहन विद्यालय जाता है।" इस वाक्य में वाच्य है : (1)
(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) उपर्युक्त सभी

20. "आह ! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं।" इस वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है – (1)
(A) विस्मयादिबोधक
(B) संज्ञा
(C) सर्वनाम
(D) विशेषण

खण्ड – 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $(2 + 2 + 2 = 6)$

> कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सदवृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन – दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर ले जाएगी।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
iii) कुसंग का ज्वर क्या – क्या नुकसान पहुँचाता है ?

अथवा

UPBoardHub

अथवा

ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है, उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी पता लगाना चाहिए कि जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया है, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है ? जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा जगेगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) ईर्ष्यालु व्यक्ति को कौनसी आदत छोड़ देनी चाहिए ?

2. **निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $(2 + 2 + 2 = 6)$

मानुष हौं तो वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्यो कर छत्र पुरंदर – धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं, मिली कालिंदी कूल कदंब की डारन॥

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) कवि पक्षी बनकर कहाँ बसेरा करना चाहता है ?

अथवा

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी – माला में बींध प्यारे को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर, हे हरि ! डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृ – भूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जावें वीर अनेक॥

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

ii) पद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) पुष्प बनमाली के समक्ष अपनी क्या चाह प्रकट करता है ?

3. **नीचे दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।** $(2 + 3 = 5)$

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय–दर्शन–शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

अथवा

(W – 3) 01

UPBoardHub

अथवा

"आमं, स्वीकृतः समयः", इति कथिते तस्मिन् नागरिके स ग्रामीणः नागरिकम् अवदत्, "प्रथमं भवानेव पृच्छतु।" नागरिकश्च तं ग्रामीणम् अकथयत्, "त्वमेव प्रथमं पृच्छ" इति। इदं श्रुत्वा स ग्रामीणः अवदत् "युक्तम् अहमेव प्रथमं पृच्छामि।"

4. **नीचे दिये गये संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।** $(2 + 3 = 5)$

बंधनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता॥

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।
आतुरस्य भिषक् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः॥

5. **अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।** $(1 \times 3 = 3)$

क) i) **'मुक्तिदूत'** खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।
ii) **'मुक्तिदूत'** खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ख) i) **'ज्योति जवाहर'** खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
ii) **'ज्योति जवाहर'** खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

ग) i) **'मेवाड़ मुकुट'** खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
ii) **'मेवाड़ मुकुट'** खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग 'अरावली' का सारांश लिखिए।

घ) i) **'अग्रपूजा'** खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
ii) **'अग्रपूजा'** खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ङ) i) **'जय सुभाष'** खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
ii) **'जय सुभाष'** खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

च) i) **'मातृभूमि के लिए'** खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
ii) **'मातृभूमि के लिए'** खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग 'बलिदान' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

छ) i) **'कर्ण'** खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
ii) **'कर्ण'** खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ज) i) **'कर्मवीर भरत'** खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
ii) **'कर्मवीर भरत'** खण्डकाव्य के आधार पर 'वनगमन' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

झ) i) **'तुमुल'** खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
ii) **'तुमुल'** खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

UPBoardHub

6. क) **निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80)** $(3 + 2 = 5)$

i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
ii) राजेन्द्र प्रसाद
iii) रामधारीसिंह 'दिनकर'
iv) जयप्रकाश भारती

ख) **निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80)** $(3 + 2 = 5)$

(i) सूरदास
(ii) रसखान
(iii) मैथिलीशरण गुप्त
(iv) सुभद्राकुमारी चौहान

7. **अपनी पाठ्यपुस्तक के संस्कृत खण्ड की पाठ्यवस्तु से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।** (2)

8. **आपके क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्व लड़कियों एवं महिलाओं पर फब्तियाँ कसते हैं और चेन खींचने जैसी घटनाओं में लिप्त रहते हैं। उनकी शिकायत करते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए।** (4)

अथवा

विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला को अत्याधुनिक बनाने की आवश्यकता को समझाते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए ।** $(1 + 1 = 2)$

(i) भारतीय संस्कृतिः केषां सङ्गमस्थली ?
(ii) वाराणसी कस्याः नद्याः कूले स्थिता अस्ति ?
(iii) पुरूराजः केन सह युद्धम् अकरोत् ?
(iv) नरः किं हित्वा अर्थवान् भवति ?

10. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 200)** $(7 \times 1 = 7)$

(i) जल ही जीवन है
(ii) जीवन में कंप्यूटर का महत्व
(iii) भारत में जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान
(iv) मेरे सपनों का भारत
(v) प्रदूषण : समस्या और समाधान

UPBoardHub